पत्रावली मे मूल वाद मे प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर पत्रावली को आज ही सुनवाई हेतु रखा जावे हेतु निवेदन किया। निवेदन स्वीकार कर पत्रावली को आज ही सुनवाई हेतु रखा गया। पत्रावली मे मूल वाद जरिये निर्णय खारिज हो जाने से उक्त प्रार्थना पत्र चलाये जाने का कोई औचित्य नही रह जाता। अतः पत्रावली जरिये निर्णय निस्तारित की जाती

21-11-21

.... versus ....

Date	Order with initials of Presiding Officer	Brief
	इस पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। (signature)	

Scanned with OKEN Scanner